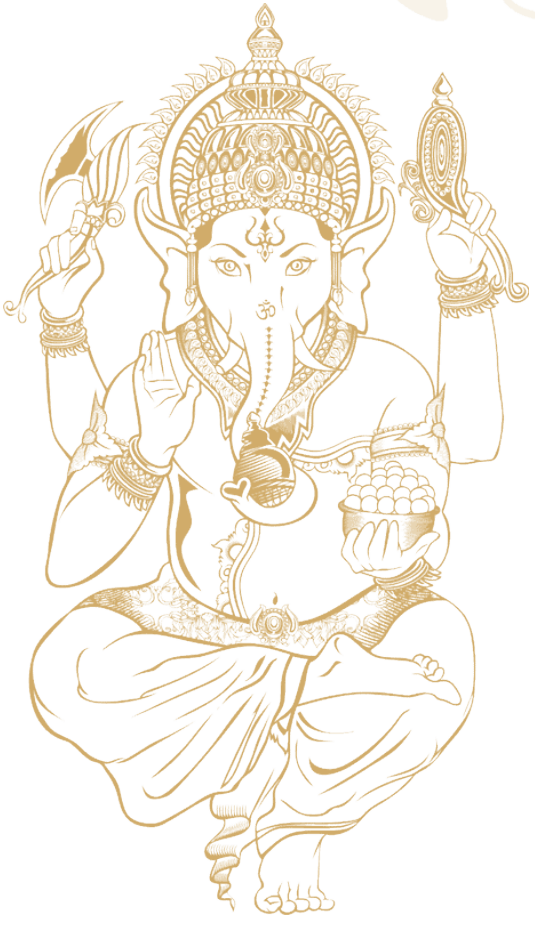

Gopal sharma

09 Aug 2006

09:00 AM

Chhata

Model: web-freekundliweb

Order No: 121301902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/08/2006**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**09:00:00 घंटे**
इष्ट	08:02:10 घटी
स्थान	**Chhata**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:43:00 उत्तर
रेखांश	77:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:40:00 घंटे
वेलान्तर	-00:05:33 घंटे
साम्पातिक काल	05:49:58 घंटे
सूर्योदय	05:47:08 घंटे
सूर्यास्त	19:03:24 घंटे
दिनमान	13:16:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	22:28:48 कर्क
लग्न के अंश	03:49:31 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सौभाग्य
करण	बव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:49:31	320:25:21	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			कर्क	22:28:48	00:57:30	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	18:10:56	14:52:14	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल			सिंह	16:54:46	00:37:46	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
बुध			कर्क	03:32:02	01:08:47	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
गुरु			तुला	16:41:10	00:05:42	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	01:32:05	01:13:06	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि		अ	कर्क	21:06:40	00:07:42	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	01:56:50	00:04:58	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	01:56:50	00:04:58	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	19:50:01	00:02:02	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	---
नेप	व		मक	24:31:23	00:01:38	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	00:18:44	00:00:48	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			मिथु	03:45:01	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:00

लग्न-चलित

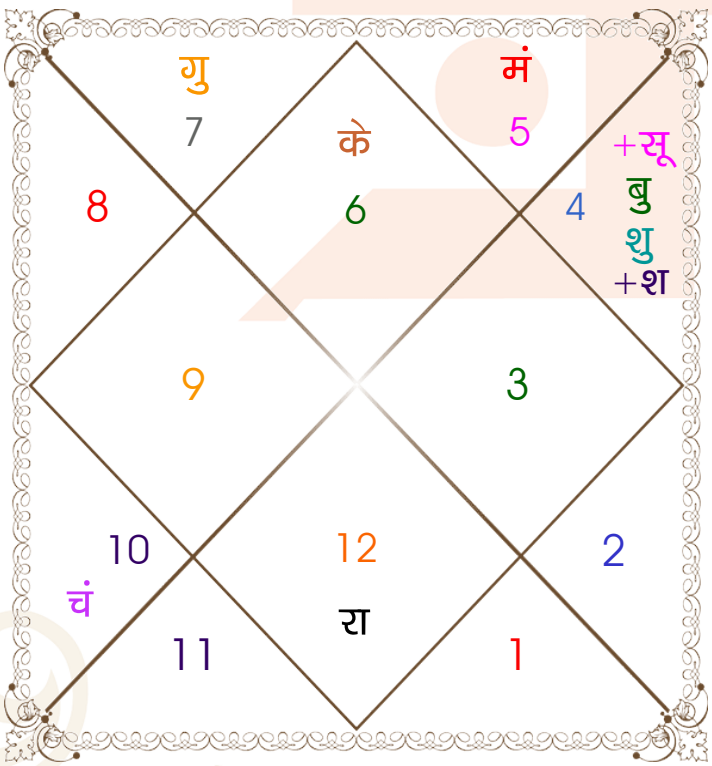

चन्द्र कुंडली

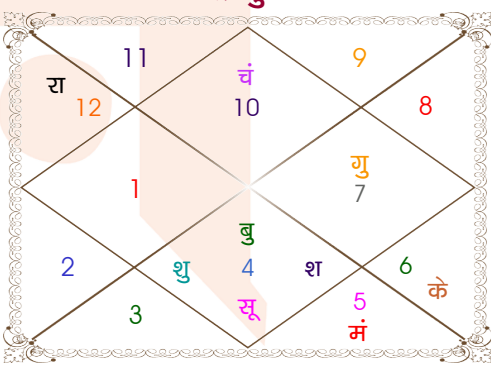

नवमांश कुंडली

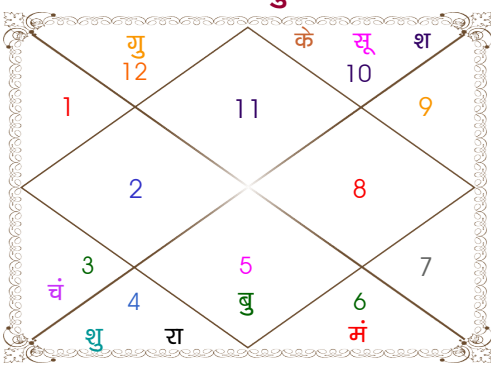

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 10 मास 10 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
09/08/2006		20/06/2010		20/06/2017		20/06/2035		20/06/2051	
20/06/2010		20/06/2017		20/06/2035		20/06/2051		20/06/2070	
	00/00/0000	मंगल	16/11/2010	राहु	02/03/2020	गुरु	07/08/2037	शनि	23/06/2054
	00/00/0000	राहु	05/12/2011	गुरु	26/07/2022	शनि	19/02/2040	बुध	02/03/2057
	00/00/0000	गुरु	10/11/2012	शनि	01/06/2025	बुध	27/05/2042	केतु	11/04/2058
	00/00/0000	शनि	19/12/2013	बुध	20/12/2027	केतु	03/05/2043	शुक्र	11/06/2061
	09/08/2006	बुध	17/12/2014	केतु	06/01/2029	शुक्र	01/01/2046	सूर्य	24/05/2062
बुध	20/09/2007	केतु	15/05/2015	शुक्र	07/01/2032	सूर्य	20/10/2046	चंद्र	23/12/2063
केतु	20/04/2008	शुक्र	14/07/2016	सूर्य	01/12/2032	चंद्र	19/02/2048	मंगल	31/01/2065
शुक्र	19/12/2009	सूर्य	19/11/2016	चंद्र	02/06/2034	मंगल	25/01/2049	राहु	08/12/2067
सूर्य	20/06/2010	चंद्र	20/06/2017	मंगल	20/06/2035	राहु	20/06/2051	गुरु	20/06/2070

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
20/06/2070		20/06/2087		20/06/2094		21/06/2114		20/06/2120	
20/06/2087		20/06/2094		21/06/2114		20/06/2120		00/00/0000	
बुध	16/11/2072	केतु	16/11/2087	शुक्र	19/10/2097	सूर्य	09/10/2114	चंद्र	21/04/2121
केतु	13/11/2073	शुक्र	15/01/2089	सूर्य	20/10/2098	चंद्र	09/04/2115	मंगल	20/11/2121
शुक्र	13/09/2076	सूर्य	23/05/2089	चंद्र	20/06/2100	मंगल	15/08/2115	राहु	22/05/2123
सूर्य	20/07/2077	चंद्र	22/12/2089	मंगल	21/08/2101	राहु	09/07/2116	गुरु	20/09/2124
चंद्र	20/12/2078	मंगल	21/05/2090	राहु	20/08/2104	गुरु	27/04/2117	शनि	21/04/2126
मंगल	17/12/2079	राहु	08/06/2091	गुरु	21/04/2107	शनि	09/04/2118	बुध	10/08/2126
राहु	05/07/2082	गुरु	14/05/2092	शनि	21/06/2110	बुध	13/02/2119		00/00/0000
गुरु	10/10/2084	शनि	23/06/2093	बुध	21/04/2113	केतु	21/06/2119		00/00/0000
शनि	20/06/2087	बुध	20/06/2094	केतु	21/06/2114	शुक्र	20/06/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 10 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।